भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1710
उत्तर देने की तारीख 10.03.2025

ज्ञान भारत मिशन

1710. श्री टी. एम. सेल्वागणपति :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ज्ञान भारत मिशन के अंतर्गत एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को कवर किया जाएगा;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार सिंधु घाटी सभ्यता की लिपियों को सभी के लिए समझने योग्य बनाने के लिए कोई कदम उठा रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार को जानकारी है कि तमिलनाडु राज्य सरकार सिंधु घाटी की लिपियों को समझने के लिए काफी प्रयास कर रही है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): जी, हां। ज्ञान भारतम मिशन, संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत की गई एक पहल है जिसका उद्देश्य भारत की विस्तृत पांडुलिपि धरोहर को प्रलेखित, डिजिटीकृत और परिरक्षित करना है। इसका उद्देश्य देश भर में एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को कवर करने का है। इस मिशन के अंतर्गत विभिन्न संस्थाओं, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में रखी गई पांडुलिपियों का व्यापक स्तरीय सर्वेक्षण, पंजीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण शामिल है।

(ग) और (घ): संस्कृति मंत्रालय ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के माध्यम से सिंधु लिपि को सभी के लिए समझने योग्य बनाने और अन्य प्राचीन लिपियों से इसके

संबंधों का पता लगाने के लिए कुछ पहलें की हैं। सिंधु लिपि को सभी के समझने योग्य बनाने हेतु शोध को बढ़ावा देने के लिए किए गए कार्यकलापों में संगोष्ठियों का आयोजन और संगत रचनाओं का प्रकाशन आदि शामिल हैं। एएसआई की एपीग्राफी शाखा का मुख्य उद्देश्य प्राचीन लिपियों का अध्ययन और इस क्षेत्र में उन्नत शोध कार्य करना भी है।

(ङ.): संस्कृति मंत्रालय ऐसी क्षेत्रीय पहलों को प्रोत्साहित करता है जो राष्ट्रीय और वैश्विक ज्ञान में योगदान देती हैं।

*****